विश्वास का सपना हुआ साकार

मुकुल माधव फाउंडेशन ने किया सहयोग

संवाददाता

पुणे. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज ने अपने सीएसआर साझीदार मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) के साथ मिलकर पूर्णरूप से बधिर विश्वास शिंदे को आर्थिक मदद देकर एक और उपलब्धि हासिल की है. कमजोर पारिवारिक पृष्ठभूमि और गरीबी से आए विश्वास ने फिनोलेक्स एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (एफएएमटी) में अपना बीई एक्जाम पास किया. रत्नागिरी के एक गरीब परिवार के सामान्य विद्यार्थी विश्वास जब नौवीं कक्षा में था, दुर्भाग्य से मम्स के एक्यूट अटैक के कारण स्थाई रूप से नर्व डेफनेस का शिकार हो गया. उसने अपने हाई स्कूल (एसएससी) की पढ़ाई विशेष श्रेणी के अंतर्गत पूरी की, जिसमें उसने 80 प्रतिशत अंक हासिल किये और उसे गर्वमेंट पॉलीटेक्निक, रत्नागिरी में डिप्लोमा इन मैकेनिकल इंजीनिरिंग में दाखिला मिल गया.

Finolex PIPES

■ उसके प्रोफेसर बेलवलकर उसकी समस्या कई लोगों के पास लेकर गये, जिसमें डॉक्टर और मुफ्त में इलाज करने वाले कई संस्थान शामिल हैं. इस दौरान इस बात का पता चला कि उसके इलाज के लिये कॉक्लियर इम्प्लांट (सुनने वाली कान की मशीन) की जरूरत है और फिर उसे हिंदुजा हॉस्पिटल, मुंबई के डॉ. एमवी कीर्तने के पास भेजा गया. डॉ. शेखर कोवले (पूर्व-डीन, फिशरीज कॉलेज, रत्नागिरी) की बेटी डॉ. क्षमा कोवले, डॉ. कीर्तने की टीम का हिस्सा थीं. उन्होंने काफी मदद की और उन्होंने विश्वास को कॉक्लियर इम्प्लांट का इलाज करवाने से पहले कई सारी जांच करवाने की सलाह दी.यह बहुत ही खुशी की बात थी कि कई सारे डोनर सामने आए और सर्जरी का खर्च उठाने को तैयार थे. हालांकि, इसमें सबसे बड़ा खर्च कॉक्लियर मशीन का था और ऐसे में डॉ. कीर्तने ने एमएमएफ से मदद के लिये संपर्क किया.

हमेशा की तरह ही एमएमएफ ने बिना किसी संकोच के 5.5 लाख रुपये दिये, जिससे विश्वास शिंदे के सुनने की क्षमता वापस पाने में मदद मिल सके. एमएमएफ ने इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए उसकी पढ़ाई का खर्च भी उठाया ताकि वो मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई की पढ़ाई पूरी कर सके. रितु छाबरिया, मैनेजिंग ट्रस्टी, मुकुल माधव फाउंडेशन ने कहा, कि शिक्षा सामाजिक आर्थिक विकास के प्रमुख हिस्सों में से एक है. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और एमएमएफ में हम हर उम्र के स्टूडेंट के लिये शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करते हैं.

■ विश्वास ने गर्व से हमारा सिर ऊंचा किया है. यह विश्वास की कड़ी मेहनत और इच्छाशक्ति का नतीजा है, जिससे तमाम मुश्किलों के बावजूद उसने इंजीनियर बनने के अपने सपने को पूरा किया. उसके जैसे स्टूडेंट हमें आगे आने और तहेदिल से मदद करने के लिये प्रेरित करते हैं. एमएमएफ ने हमेशा समाज की सही नब्ज को पकड़ा है और बड़े ही उत्साह से उसका उपचार किया है. हमारा फोकस वंचित वर्ग के स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण के कार्य पर है, इससे हम भविष्य में उनके विकास और दृढ़ता की कल्पना कर सकते हैं.